University in News on 26 August 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि: अभिलेखों का सत्यापन आज-कल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया सत्र 2025-26 के तहत जिन विषयों में अभ्यर्थियों का प्रवेश हो चुका है और उनकी प्रोविजनल आवंटन सूची जारी की जा चुकी है, उनके अभिलेखों का सत्यापन 26 व 27 अगस्त को होगा। प्रवेश अधिष्ठाता ने जानकारी दी कि अभ्यर्थी मूल प्रमाण पत्र, अंक पत्र और उनकी एक स्वहस्ताक्षरित प्रति लेकर इन दो दिनों में सत्यापन करा लें। (माई सिटी रिपोर्टर)

प्रवेश की पहली आवंटन सूची जारी

लखनऊ। लखनऊ विवि में परास्नातक प्रवेश परीक्षा-2025 की काउंसिलिंग के क्रम में बीपीएड/एमपीएड, एमबीए और एमएफए की सीटों के लिए पहली आवंटन सूची सोमवार को जारी कर दी गई है। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया कि अभ्यर्थी आवंटित सूची देखकर सीटें सुनिश्चित करने को 28 अगस्त तक फीस जरूर जमा कर दें। वहीं, एमबीए, एमकॉम और एलएलबी की सीटों के लिए पहली आवंटन सूची सोमवार को जारी कर दी गई। (माई सिटी रिपोर्टर)

JAGRAN CITY PAGE III

लवि में क्लब अध्यक्ष नामित

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सोमवार को विभिन्न विभागों के शिक्षकों को अलग-अलग खेल के क्लब का अध्यक्ष नामित किया है। इसके अंतर्गत 46 शिक्षकों को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसकी सूची कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने जारी की है।(जासं)

'विद्यार्थियों का विजन राष्ट्र निर्माण में होना चाहिए उपयोगी'

जासं, लखनऊ : ब्रिगेडियर प्रो. राज पुरोहित ने विद्यार्थियों से कहा कि आपके पास एक ऐसा विजन होना चाहिए, जो लीडरशिप और राष्ट्र निर्माण में उपयोगी हो। आप एकता की शक्ति को पहचानें और गुरुजन व माता-पिता की सलाह मानें। वह सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के परास्नातक विद्यार्थियों के दीक्षारंभ कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता बोल रहे थे। प्रो. राज पुरोहित ने कहा कि राष्ट्र निर्माण तभी संभव है, जब राष्ट्रीय एकता स्थापित हो। एकता आपको एक दृष्टि देती है। उन्होंने धावक हिमा दास, एथलीट मनु भाकर व अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ल जैसे युवाओं से प्रेरणा लेने की अपील की।

AMRIT VICHAR PAGE 8

परास्नातक प्रवेश को द्वितीय सीट आवंटन जारी

अमृत विचार, लखनऊ: लविवि ने परास्नातक सत्र 2025-26 के अंतर्गत विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए द्वितीय सीट आवंटन की घोषणा कर दी है। एमबीए, एमबीए टीटीएम और एमकॉम व एलएलबी पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन काउंसलिंग के तहत उपलब्ध सीटों के सापेक्ष मेरिट के आधार पर सीट आवंटन आज अभ्यर्थियों के लॉगिन पोर्टल पर उपलब्ध होगा।

एमबीए प्रथम सीट आवंटन परिणाम जारी

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक प्रवेश सत्र 2025-26 के अंतर्गत बीपीएड, एमपीएड और एमबीए, एमएफए पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन काउंसलिंग के तहत प्रथम सीट आवंटन का परिणाम घोषित कर दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह परिणाम आज अपराह्न 12 बजे के बाद अभ्यर्थियों के लॉगिन पोर्टल पर उपलब्ध होगा।

दस्तावेज़ सत्यापन आज और कल

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया सत्र 2025-26 के अंतर्गत उन अभ्यर्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की है, जिनका प्रवेश विभिन्न विषयों में हो चुका है। जिनका प्राविजनल एलाटमेंट लेटर जारी किया जा चुका है, लेकिन अभी तक दस्तावेज़ सत्यापन नहीं हुआ है। वे 26 एवं 27 अगस्त को प्रातः 10:00 बजे से संबंधित विभाग में स्वयं उपस्थित होकर दस्तावेज़ सत्यापन एवं पात्रता की प्रक्रिया पूर्ण कर लें।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

एकता, कर्तव्य और समरसता राष्ट्र निर्माण के लिए जरूरी : प्रो. एस. राजपुरोहित

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग के परास्नातक के प्रवेशित छात्र-छात्राओं को लक्षित दीक्षारंभ 2025 की मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना तथा मुख्य वक्ता प्रो. (ब्रिगेडियर) जेएस राजपुरोहित रहे। इनके साथ अधिष्ठता कला संकाय प्रो. अरविन्द मोहन भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने नवागत छात्रों का दीक्षारंभ में स्वागत किया। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि सभ्यता के साथ आप अपने सुझाव दीजिए, सहयोग कीजिए और हम सब मिलकर विश्वविद्यालय की उन्नति के लिए कार्य करेंगे। भारतीय ज्ञान परम्परा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य, नेशनल टेस्ट एजेंसी, यूजीसी के अध्यक्ष एवं लद्दाख विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर, प्रतिष्ठित विद्वान प्रो. राजपुरोहित ने राष्ट्र निर्माण और युवाओं की भूमिका विषय पर वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि आपके पास है एक विजन होना चाहिए। वह लीडरशिप और राष्ट्र निर्माण में उपयोगी होगा। उन्होंने पंचतंत्र की कथा कबूतर और बहेलिया को सुनाकर एकता की शक्ति को स्पष्ट किया तथा मेंटर्स, गुरुजन, माता-पिता की सलाह मानने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विविधता में एकता, एकता के संघर्ष, भारत की शक्ति, युवा शक्ति और संभावनाओं पर ओजपूर्ण बातें कीं। उन्होंने कहा कि हम सैनिक नाम, नमक और निशान इन तीन चीजों के लिए जीते हैं। उन्होंने संदेश दिया कि राष्ट्र में आप जिस भी संस्था से जुड़े हैं वहां आपको सर्वश्रेष्ठ देना है। वह 140 करोड़ भारतीयों का देश है जहां बाईस से अधिक क्षेत्रीय भाषाएं, विविध धर्म और रीति-रिवाज पाए जाते हैं। फिर भी एकता के सूत्र में बंधे होने से हम एक हैं। उन्होंने सूर्य को जल देने के वैज्ञानिक कारण पर बात की। उन्होंने कहा कि धर्म सबके लिए निश्चित है। राष्ट्र निर्माण तभी संभव है जब राष्ट्रीय एकता स्थापित हो। एकता आपको एक दृष्टि देती है।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5, 7

राष्ट्र निर्माण को आवश्यक हैं एकता कर्तव्य व समरसता : प्रो. राजपुरोहित

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में आयोजित परास्नातक के नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के दीक्षारंभ-2025 में मुख्य अतिथि के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना तथा मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. (ब्रिगेडियर) जे.एस. राजपुरोहित उपस्थित रहे। इनके साथ अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविन्द मोहन भी उपस्थित रहे।

इस दौरान भारतीय ज्ञान परम्परा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य, नेशनल टेस्ट एजेंसी, यूजीसी के अध्यक्ष एवं लद्दाख विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर प्रो. राजपुरोहित ने 'राष्ट्र निर्माण और युवाओं की भूमिका' विषय पर वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि आपके पास एक विजन होना चाहिए। वह लीडरशिप और राष्ट्र निर्माण में उपयोगी होगा। उन्होंने पंचतंत्र की कथा 'कबूतर और बहेलिया' को सुनाकर एकता की शक्ति को स्पष्ट किया तथा मेंटर्स, गुरुजन, माता-पिता की सलाह मानने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विविधता में एकता, एकता के संघर्ष, भारत की शक्ति, युवा शक्ति और संभावनाओं पर ओजपूर्ण बातें कीं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण तभी संभव है जब राष्ट्रीय एकता स्थापित हो। राष्ट्र निर्माण में बाधक तत्त्वों में क्षेत्रवाद, जातिवाद, डिजिटल मिसइनफॉर्मेशन आदि को मुख्य कारण बताया। उन्होंने युवाओं से स्वनिर्भर और स्वावलंबी होने के लिए आह्वान किया।

लविवि के विधि संकाय में हुआ दीक्षारंभ कार्यक्रम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में सोमवार को दीक्षारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत विधि पंचवर्षीय कार्यक्रम में दाखिल हुए नए छात्र-छात्राओं को संस्थान, विश्वविद्यालय व प्रशिक्षण पद्धति इत्यादि के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. बलराज चौहान (स्टेट लीड, उत्तर प्रदेश सी.आर.आई.एस.पी, पूर्व वी.सी. डा. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, भोपाल व धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जबलपुर) उपस्थित हुए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को विधि व्यवस्था, सामाजिक समरसता व विधि क्षेत्र के आधुनिक घटनाक्रम से अवगत कराते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

लविवि के विधि संकाय में पॉक्सो पर कार्यशाला

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के प्रो बोनो क्लब की ओर से चार्मवुड एकेडमी जानकीपरम में 'पॉक्सो अधिनियम, 2012 पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। साथ ही, दीक्षांत समारोह सप्ताह के अंतर्गत 'एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता' का भी उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि संकाय के हेड और डीन, प्रो. (डॉ.) आर. के. वर्मा, संकाय प्रभारी, प्रो. (डॉ.) आलोक कुमार यादव, प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार सोनकर, प्रो. (डॉ.) वरुण छाहर, (डॉ.) अर्चना सिंह ने किया। इस दौरान प्रो. (डॉ.) आर. के. वर्मा ने कहा कि 'पॉक्सो अधिनियम बच्चों की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे आयोजन न केवल विधिक जागरूकता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि विद्यार्थियों में कानून की गहन समझ भी विकसित करते हैं।

कार्यशाला के दौरान प्रो बोनो क्लब के सक्रिय सदस्य दिव्यांशु यादव, अफज़ल हसन और कृतिका सिंह ने 'पॉक्सो अधिनियम, 2012 के विभिन्न कानूनी और संवैधानिक पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने सरल भाषा में कानून की बारीकियों को समझाते हुए बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और न्याय की प्रक्रिया को स्पष्ट किया। इस अवसर पर संकाय प्रभारी प्रो. डॉ आलोक कुमार यादव ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।